सत्यमेव जयते

IDU AZOBRA

इदु मिश्मी भाषा प्रवेशिका

IDU MISHMI PRIMER

CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

1	2	3	4	5
प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें	क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें	स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें	लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें	उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

1	2	3	4	5	6
अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें	अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी	पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें	क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें	कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें	क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

“ जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।”

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

IDU AZOBRA

इदु मिश्मी भाषा प्रवेशिका

IDU MISHMI PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
Email: dceta.ncert@nic.in

IDU AZOBRA

इदु मिश्मी भाषा प्रवेशिका

IDU MISHMI PRIMER

A basal reader of Idu Mishmi alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors
Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Aleendra Brahma
Salam Brojen Singh

ISBN: 978-81-19411-66-5

First Edition: March 9, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Shwetha K
Cover Photo: Hindu Meme

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार

Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

संदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत 2047 के संकल्प के मार्ग का प्रमुख अवयव भारतीय भाषाएँ हैं, जिनसे ज्ञान-विज्ञान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच देश के समस्त बच्चों तक सुनिश्चित हो सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफ़ारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब छात्रों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसीलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की आवश्यकता है।

अतः हमने एन.सी.ई.आर.टी तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा/ओं तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों के लिए बहुत उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister-msde@gov.in

प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को '*बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति*' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मज़बूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं) प्राइमरों(का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये पुस्तिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों, जैसे- बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

मार्च, 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका / Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्याधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अधययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilized efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

मार्च, 2024
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Idu Mishmi Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra P. Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology, NCERT, New Delhi
Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru

Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Co-Coordinators

Salam Brojen Singh, Resource Person (Teaching) in Manipuri, North Eastern Regional Language Centre (NERLC), (CIIL), Guwahati
Gayotree Newar, RP (Teaching) in Nepali, NERLC, (CIIL), Guwahati

Resource Persons

Mite Lingi, Chairman, Idu Mishmi Language Development Committee (IMCLS)
Hindu Meme, Member, Idu Mishmi Language Development Committee (IMCLS)

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru
Jewsnrang Basumatary, Resource Person (Teaching) in Bodo, NERLC, (CIIL), Guwahati
Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

HOW TO USE THE IDU MISHMI PRIMER

Under the National New Education Policy, 2020 and National Curriculum Framework, 2022, arrangements have been made for imparting education in mother tongue, home language, local language and regional language for children of three to eight years of age. There are numerous benefits in imparting education in the learners' mother tongue. This inculcates the sense of love for their mother language to the children. With this perspective, the Central Government has made arrangements to impart Bal Vatika to children of 3 to 5 years and basic literacy at primary-primary level to children of class I-II. It focuses on the development of children's oral language by removing their silence through local songs and stories. This is being done through the story telling and conversation practices. Along with this, language teaching book is also being used for children's voice introduction, alphabet introduction, reading and writing practice.

Teaching children in the mother tongue from Bal Vatika level to class III can develop creativity and imagination power along with their intellectual development. The meaningful method of how children can gradually learn Hindi and read and write in English language along with learning to read and write in their mother tongue has been written in detail in the National Curriculum Framework, 2022. In this book, vocabulary from children's culture and environment has been collected and given space.

The basic goal of multilingual education is to increase the proficiency of reading and writing in the state language by starting the children to read and write from the home language. Presented in Mishmi (Idu) and English languages, this book has been prepared for teachers and students of Mishmi (Idu) of Arunachal state. There are four major steps to fundamental literacy. In the first step, intellectual development of children is done through stories, stories and pictures. After that, for language teaching, children are introduced to the interaction of objects as well as words. Letters arranged in words are recognised. In this synonym, children learn to de-code individual letters. Through decoding, children understand the interaction between sound and letter. The basic points of how to read the language education book are written below.

Sound Introduction: Children will look at the picture and say the name of the object. Teachers will ask, what sound does the name of the picture begin with? For example, seeing the picture 'Elombra', it starts with the 'E' sound, children will recognise this.

Letter Introduction: The teacher will first tell the children how the letter 'E' looks. Out of some of the given words, 'E' is asked to identify the letter. Out of three or four words, children will pronounce the sound of the letter 'E' and practice writing the letter 'E'.

Reading: Children will speak words in their own language by looking at pictures. Children will read 'Elombra' by running their finger from left to right of that word. By reading other words and where 'E' is in the words, children will recognise and speak 'E'. The teacher will tell the children, where 'E' is, at the beginning, middle and end of the word.

While reading 'E' on the black board, the teacher will also write three or four other words along with the word 'Elombra'. He will ask the children to read words and recognise letters. Children will be able to recognise these words by looking at the pictures in the book. Children will feel comfortable reading it in their mother tongue.

Writing: Teachers will first teach children to write 'E' of the word 'Elombra'. Teachers will show you how to move the pen to write from left to right. After that, the children will write 'E' themselves in the blank space given in the book and by looking at the alphabet. Teachers will assist in this while children read and write.

Eca andogõ rhula ndo degaca athu gəne rhungo ji :

Endo tuu rhula ca :

Pelõ thii rhula ca :

Pelõ hihi rhula ca 1 : 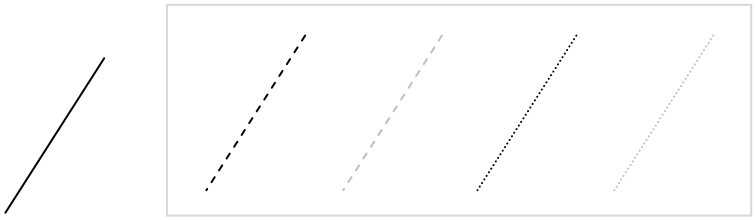

Pelõ hihi rhula ca 2 : 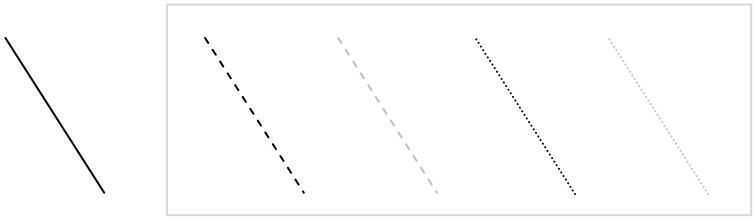

Rhu angga hihi rhula ca1 : 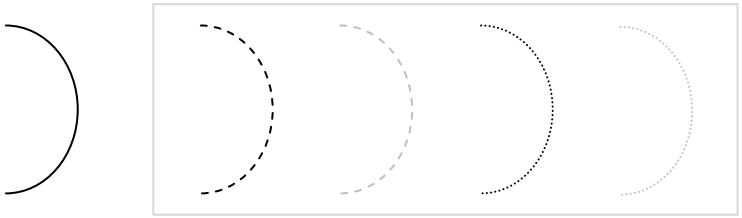

Rhu angga hihi rhula ca 2 : 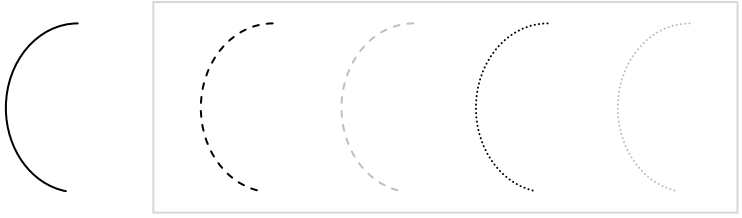

Athuji: A Ahiyiga me, A go, pen/pensil anggo kajiwuji hegəne kakopra/ajopra kãga ma rhu hõ prawe ahiwe.

IDU MISHMI AZOBRA

(Idu Mishmi Alphabet)

ANGÃ KÁHÕLA

(Vowel Letters)

A	E	I	O	U
ə	ə̲			

ANGÃ ENARHÕ KÁHÕLA

(Nasalised Vowel Letters)

ã	ẽ	ĩ	õ	ũ
ə̃	ə̲̃			

ANGÃ KÁMBU

(Consonant Letters)

P	Ph	B	
T	Th	D	Ts
K	Kh	G	H
S	Sh	C	Ch
J	Z	M	N
Ny	Ng	R	Rh
L	Lh	W	Y

A

A

Child

A me dãga
Ame a athu gəne
A me dãga
Ata a athu gəne

Ame	Ãta	Adu
Monkey	Elephant	Eagle

A A A

E

Elombra

Eye

Elombra mane athuji
Ēlā kesa a athuji
Elombra me athuji
Ètō Kesa a athuji

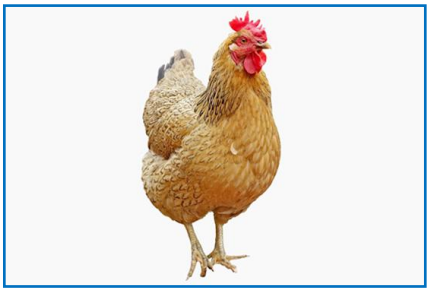

Ela	Èto	Enobru
Moon	Hen	Lip

E E E

I

Ìku

Dog

Ìku eca nga ci!
Ìlì a eca nanyi ci!
Ìlìprà eca naba ci!

Ìlì	Ìlìprà	Īgù
Pig	Bow	Shaman

I I I

O

Omtíra

Orange

Omtíra hapra da.
Oməríta bu hapra da.

Ő	Omtírambõ	Oməríta
House	Orange tree	Papaya

O O O

U

ú

To pluck

Eca asipə̲ kesa a, útami a!
Eca nga laji ca, ũtìmì mi a!

Imudu	Injusì	Trũũ
Sky	Mango	Lice

U U U

ə

Kəku

Rice

Kə paku me kesa a.
Kə Kəbra me kesa a.
Kə Kəku me hapra a.

Gəsi	Kə	Bə
Potato	Paddy	Hole

ə ə ə

ə

Ikədi

Bamboo ladle

Nyu asajia?
Idikhə mandikhə!
Nyu asajia?
Ilhikhə mandikhə!

Idrikhə	Ilhikhə	Kəci manu
Ember	Soil	Clouded leopard

ə ə ə

P

Prā

Bird

Eseya me Papo! Papo laga?
Pra padu me laga.

Eseya me Phõ! Phõ! laga?
Pra epholõ laga.

Padibru	Paũ	Pahõ
Brinjal	Money	Toad

P P P

Ph

Phū

Cooking pot

Phə̲ri Phara!
epholõ me lhiga.
Phə̲ri Phara!
aphũ me lhija.

Phala	Iphilo	Epholõ
Tea	Butterfly	Owl

Ph Ph Ph

B

Bāmbū

Jackal

Baba nyu paku ma ba
Nga Iskul ma bawe
Nini nyu Õko ma ba
Nga Iskul ma bawe

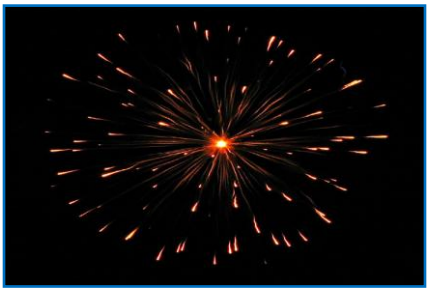

Bo	Bu	Ba
Explode	Carry on shoulder	Whisper

B B B

T

Tambro

Teeth

Tambro na! Tambro na!
Biskut paca hami.
Tambro na! Tambro na!
Mithayi paca hami.

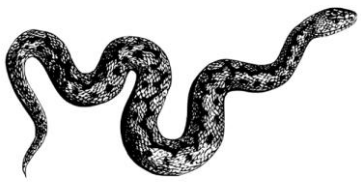

Tabu	Talā	Tebul
Snake	Shadow	Table

T T T

Th

Tha

Fish trap

Inyi kanyi thru cho!
1, 2, 3...
Inyi keba thruji cho!
4, 5, 6...

Thrombõ	Thra	Thomò
Cedar tree	Writing	Pied hornbill

Th Th Th

D

Dejò

Wreathed hornbill

Yãsu gada, daktor ga bawe!
Ikuji gada, daktor ga bawe!
Ayumu gada,daktor ga bawe!

Deka	Dã	Daktor
Roller bird	Smile	Doctor

D	D	D	

Ts

Tsĩya

Wet

Ayo koa tsĩyada,tsĩyada
Igú tine agu a!
Ayo koa tsĩyada, tsĩyada
Õko jina ba a!

Tsĩ

Rotten

Tsĩmbutu

Swelling

Ts

Ts

Ts

Ts

K

Kacinggõ

Rat

Nyu kapo,
Nyuci tambro kanyi.
Nyu kapo,
Nyuci tambro kasõ.

Kayo	Kəku	Kemera
Tsetse fly	Rice	Camera

K K K

Kh

Khimi

Tail

Eto khə̲

Ili khə̲

Sa khə̲

Imu khə̲

Mbii bimbi cũ!

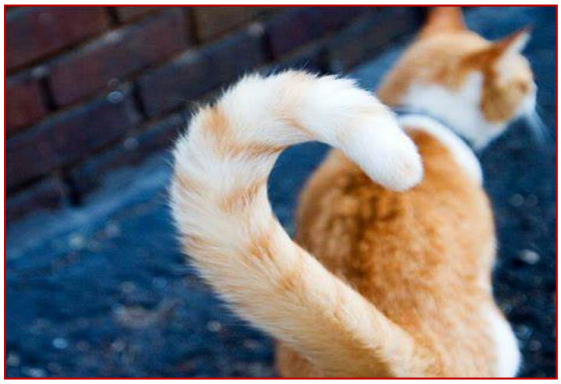

Khepó	Khonda	Khə̲
Belly	Bell	Cowdung

Kh Kh Kh

G

Guri

Watch

Pooo! Pooo!
Rel Gari,Rel Gari
Peee! Peee!
Motor Gari, Motor Gari.

Gədu	Gerambó	Gari
Cassava	Drum	Vehicle

G G G

H

Hũ

Liver

Baba! Mama ha
Ninyi, Mama ha
Tata! Mama ha
Yaya! Mama ha

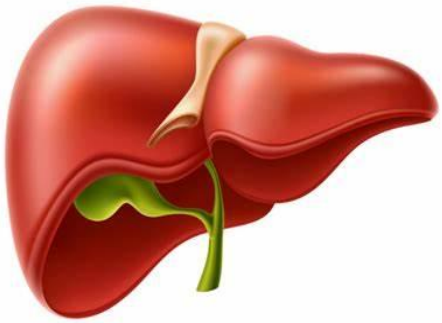

Hà	Hãta	Hẽce
Eat	Dish	Dao

H H H

S

Sona

Arum

Saa de, nana da!
Saa chi, nana da!

Sā	Sã	Saikel
Mithun	Hanging bridge	Bicycle

S S S

Sh

Shà

Net

Shikombo titi, e!
Shiphu titi, e!
Shidipra titi e!

Shicù	Shù	Shikombó
Nail	Red	Cooking tripod

Sh Sh Sh

C

Cekapu

Pumpkin

Cekapu cu,
Cekapu khəgə cu.
Cekapu cu,
Cekapu kanyi cu.

Cirhu	Cikhu	Ce
Rabbit	Hill partridge	Cutting

C C C

Ch

Chenda

Himalayan monal

Rong chu!
Su ci chu, lo ci chu
Ma ci chu, Mi ci chu

Chi	Chu	Chõ
Walk	To paint	Light

Ch Ch Ch

J

Jologe

Aluminium
jug

Jane Jina, Jane Jina!
Ja, ja, ecama jana.
Jane Jina, Jane Jina!
Ji, Ji, ngaso jina.

Njota	Jãlã	Joji
Body	Yak	Cicada

J J J

Z

Zo

Weaving design

Zo kesada!
Thũwẽ zo kesada.
Zo kesada!
Etõwe zo kesada.

Zu	Anzə	Azu
Writing	Wall	King cobra

Z Z Z

M

Maco

Sambar deer

Etowe kanyi
Ma ne Mi
Lhawe kanyi
Ma ne Mi
Ma Mi! Ma Mi!

Màcì	Ma	Mi
Water	Black	Yellow

M M M

N

Naya

Grandmother

Oh! Nanyi, Oh!Naba
Oh! Nata, Oh! Naya
Keba hanoa bagaaba!

Nnà	Naspati	Ndõphre
Dance	Pear	Ladder

N N N

Ny

Nanyi

Mother

Nanyi! Nanyi
Apel gǝyina, kanyi.
Jipane haci Inyi kanyi.

2

Nyoci	Kanyi	Inyi
Milk	Two	Sun

Ny Ny Ny

Ng

Ngobu

Eel

Nga amu Aham,
Ngaci aliya amu Iziya
Ngaci apə̲ya amu Abrali

Ngə	Ngə̲	Ngathò
Cutting	Sick	Poor man

Ng Ng Ng

R

Ra

Sharp

Rẽ igada! Rẽ igada
Rẽko ma baweda!

Ãpre	Rẽ	Ripi
Fodder	Reh festival	Root

R R R

Rh

Rhipu

Igu drum

Igu me rhipu to
Tamro me rhipu to.
Igu me rhipu to
Tamro me Gerambo to.

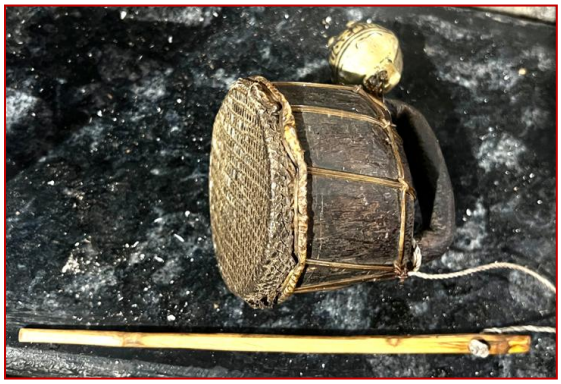

Rho	Rhũ	Rhi
Catching	Rooster crowing	Cooking

Rh Rh Rh

L

Lo

White

Põ lo,
Õ lo, Põ lo
Amuku lo, Opita lo
Tapume lo!

La	Lakabõtõ	Lāmbrō
Fell down	Cane	Beak

L L L

Lh

Lhawẽ

Loincloth

Naba me lhawẽ lha? Ai!
Nanyi me lhawẽ lha? Ngai!
Tata me lhawẽ lha? Ai!
Yaya me lhawẽ lha? Ngai!

Lhi	Lhōlū	Lho
Fly	Ropeway	Making hole

Lh Lh Lh

W

Wəyã

Lake

Wushimi, Wushimi
Ngaci Iskul wushimi
Wuhimi, wuhimi
Ngaci azopo kitab wuhimi

We	Wá	Wá
Hook	Swimming	Scratch

W W W

Y

Ya

Foxtail millet

Yamba ha! Yamba ha!
Yaya so yamba ha.
Yamba ha! Yamba ha!
Tata go yamba ha.

Yàmbā	Yāhũ	Yo
Ragi	Bear	Throw

Y Y Y

THRU (Counting numbers)		
1	Khəga	
2	Kanyi	
3	Kɑsõ	
4	Kapri	
5	Mangá	
6	Tahro	
7	Iũ	
8	Ilhú	
9	Khə̱nyi	
10	Hũũ	

11	Holokə	
12	Hulunyi	
13	Holosõ	
14	Hulupri	
15	Holoma	
16	Holohro	
17	Hulu iu	
18	Hulu ilhu	
19	Hulu khə̱nyi	
20	Anyihrũ	

1	1	1	1	
2	2	2	2	
3	3	3	3	
4	4	4	4	
5	5	5	5	
6	6	6	6	
7	7	7	7	
8	8	8	8	
9	9	9	9	
10	10	10	10	

11	11	11	11	
12	12	12	12	
13	13	13	13	
14	14	14	14	
15	15	15	15	
16	16	16	16	
17	17	17	17	
18	18	18	18	
19	19	19	19	
20	20	20	20	

INGLISH AZOBRA

(English Alphabet)

A B C D

E F G H

I J K L

M N O P

Q R S T

U V W X

Y Z

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

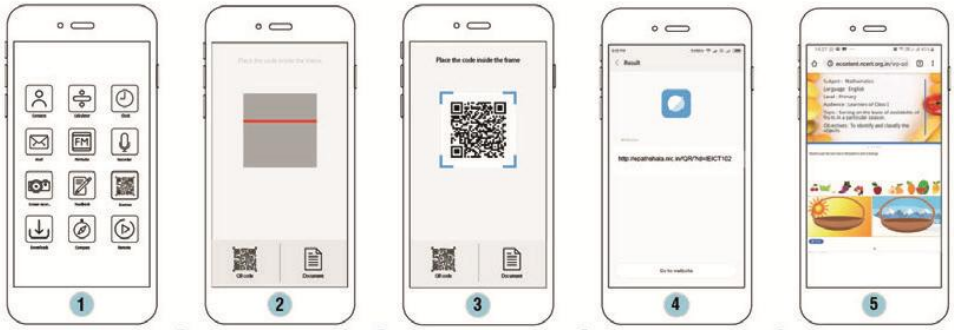

1. Install ePathshala Scanner app from Play Store and open
2. Get ready with QR code scanning window
3. Place scanner above the QR code
4. Select and click on the link
5. Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA**

1. Select preferred language
2. Choose your role: Student or Teacher
3. Grant access and allow app permissions
4. Tap to scan the QR code
5. Focus camera on the QR code in textbook
6. Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT (Phase-1)

SCHEDULED LANGUAGES

Sl. No.	Languages
1	ASSAMESE
2	BENGALI
3	BODO
4	DOGRI
5	GUJARATI
6	HINDI
7	KANNADA
8	KASHMIRI
9	KONKANI
10	MAITHILI
11	MALAYALAM
12	MANIPURI
13	MARATHI
14	NEPALI
15	ODIA
16	PUNJABI
17	SANSKRIT
18	SANTALI
19	SINDHI
20	TAMIL
21	TELUGU
22	URDU

NON - SCHEDULED LANGUAGES

Sl. No.	Languages
1	ADI
2	ANAL
3	ANGAMI
4	AO
5	BHILI (VASAVA)
6	BHUTIA
7	BISHNUPRIYA MANIPURI
8	DEORI
9	DIMASA
10	GADABA (GUTOB)
11	GARO
12	HALBI
13	HMAR
14	JATAPU (KUVI)
15	JUANG
16	KABUI
17	KARBI
18	KHANDESHI
19	KHARIA
20	KINNAURI
21	KISAN (KUNHU)
22	KODAVA
23	KOKBOROK
24	KOLAMI
25	KONDA
26	KORKU
27	KORWA
28	KOYA
29	KUI
30	KUKI
31	KURUKH
32	KUZHALE (KHEZHA)
33	LEPCHA
34	LIANGMAI
35	LIMBU
36	LOTHA
37	MAO
38	MISHMI (IDU)
39	MISING
40	MIZO
41	MOGH
42	MUNDARI
43	NYISHI (NISSI)
44	RABHA
45	RAI
46	SHERPA
47	SAVARA (SORA)
48	SÜMI (SEMA)
49	TAMANG
50	TANGKHUL
51	TANGSA
52	TIWA (LALUNG)
53	TULU
54	WANCHO

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in